आवाज़ ... आम आदमी की

इन्क़िलाबी नज़र

लखनऊ, बुधवार, 26 मार्च 2025

जो व्यक्ति भी विकास के लिए खड़ा है उसे हर एक रूढ़िवादी चीज़ की आलोचना करनी होगी , उसमें अविश्वास करना होगा तथा उसे चुनौती देनी होगी।
-भगत सिंह

वर्ष 17 अंक 200 मूल्य 4-00 रूपया पृष्ठ- 12

तापमान - अधिकतम 35.1°C (-0.8) न्यूनतम 17.0°C(-0.0) सेंसेक्स 78,017.19 (+32.80) निफ्टी 23,668.65 (+10.30) सोना 89,440 चांदी 1,01,000 मुद्रा - डालर 85.59 दिरहम 23.30 रियाल 23.82

विश्व टीबी दिवस पर एरा यूनिवर्सिटी में हुआ जागरुकता कार्यक्रम

लखनऊ (सं)। एरा विश्वविद्यालय और एराज लखनऊ मेडिकल कालेज एण्ड हॉस्पिटल में विश्व टीबी दिवस 2025 पर एक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एरा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर डॉ. अब्बास अली महदी थे। इस मौके पर मुख्य वक्ता के तौर पर केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के प्रमुख प्रोफेसर डॉ. सूर्य कांत मौजूद थे।

कार्यक्रम की शुरुआत जन जागरूकता रैली निकालकर की गई, जिसके बाद एरा विश्वविद्यालय भवन में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एराज मेडिकल कॉलेज के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. असना खान ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। एराज मेडिकल कॉलेज के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रचित शर्मा ने कार्यक्रम के विषय में जानकारी दी। डॉ. के.बी. गुप्ता ने क्षय रोग के इतिहास, उपचार व रोकथाम पर प्रकाश डाला। इसके बाद नर्सिंग विभाग के विद्यार्थियों द्वारा क्षय रोग के बारे में जागरूकता लाने के लिए एक छोटा सा रोल प्ले किया गया, जिसे अतिथियों ने खूब सराहा। एरा यूनिवर्सिटी लखनऊ के एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के चिकित्सा शिक्षा निदेशक और रेस्पिरेटरी मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने क्षय रोग से निपटने में देश की शानदार प्रगति के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि डॉट्स के तहत प्रभावी उपचार से अब तक लगभग 80 मिलियन क्षय रोग से पीड़ित रोगियों को कैसे ठीक किया जा सका है। उन्होंने अपील की कि इस कलंक को समाज से हटाने के लिए रोगियों और उनके तीमारदारों को मिशन मोड में एक टीम के रूप में काम करना होगा। एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के प्रिंसिपल और सीएमएस प्रोफेसर डॉ. जमाल मसूद ने कहा कि हम निश्चित रूप से टीबी को खत्म करने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए एक टीम के रूप में काम करेंगे। इस मौके पर कुलपति प्रोफेसर (डॉ) ए ए महदी ने कहा कि सफलता की कुंजी प्रारंभिक पहचान और प्रारंभिक उपचार है और उन्होंने उपचार की सफलता में अच्छे पौष्टिक आहार की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी बात की।

मुख्य वक्ता प्रो. सूर्यकांत ने देश में तपेदिक की घटनाओं को कम करने में की गई प्रगति और कैसे डब्ल्यूएचओ ने इस असाधारण लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भले ही हम अच्छा कर रहे हैं लेकिन फिर भी हम अपने लक्ष्य से बहुत दूर हैं और इसलिए हम सभी को अपने देश से तपेदिक को खत्म करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। कार्यक्रम का समापन एराज मेडिकल कॉलेज के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. ऋषभ कक्कड़ के सम्बोधन के साथ हुआ। विश्व टीबी दिवस के अवसर पर, हां! हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं प्रतिबद्ध, निवेश, उद्धार विषय पर एक हस्तनिर्मित पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता, जहां विभिन्न विभागों के छात्रों ने टीबी के बारे में अपनी रचनात्मकता और ज्ञान का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का निर्णय प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों द्वारा किया गया, जिन्होंने रचनात्मकता, प्रासंगिकता और प्रस्तुति के आधार पर प्रविष्टियों का मूल्यांकन किया। प्रो. एस. रियाज मेहंदी, डीन फैकल्टी ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज के मार्गदर्शन में चिकित्सा प्रयोगशाला तकनीक विभाग के छात्रों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतिभागियों में बी.एससी. मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नीक्स 6वें सेमेस्टर ने असाधारण कलात्मक कौशल और विषय की गहरी समझ का प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया।